ट्रेक्टर ड्राईवरिंग कौशल के माध्यम से आजीविका सृजन

केस स्टोरी

नाम - रामफूल देवी पत्नी देवकरण
शिक्षा - 12 क्लास
गांव - रामनगर, पंचायत चेनपुरा
कृषि भूमि - 7 बीघा
ट्रेक्टर ट्रेनिंग अवधि - 12 दिन
आयोजक - विकासोन्मुख संस्थान, नरैना जयपुर (राजस्थान)
सहयोग - ब्रिजस्टोन इण्डिया प्राइवेट लिमीडेड

ट्रेनिंग से पूर्व

घर-परिवार के कार्य करती थी खेती में मजदूरी करना, बच्चो को स्कूल छोड़ना उनका लालन पालन में पूरा दिन लग जाता था।

मन में कुछ अलग करने का विचार हमेशा बना रहा मगर कभी मौका नहीं मिला पति मकान बनाने का काम करते है वे अधिकतर गांव से बहार ही रहते है इस कारण परिवार की जिम्मेदारी मेरे ऊपर ही रहती है मुझे स्वयं के पसन्द / सपने पुरे करने का समय ही नहीं मिला।

इस ट्रेनिंग की जानकारी मिली तो मे भी तैयार हुई पति को पूछा उनकी सहमति मिली और रोजाना गांव की अन्य महिलाओ के साथ ट्रेक्टर ट्रेनिंग लेने लगी।

ट्रेनिंग के बाद

आज में अपने खेतो में ट्रेक्टर से सभी काम कर लेती हूँ पति को अन्य काम करने का अवसर मिलने लगा है उनको खेतो की बुवाई, जुताई से सम्बंधित काम में कुछ हद तक सहयोग मिला है। अभी खरीब की फसल को मेने समय पर ट्रेक्टर किराये पर लेकर स्वय तैयार की है जिससे खेती समय पर जुत गई और साथ में जुताई, बुवाई का मानव श्रम का पैसा भी बचा है परिवार में ख़ुशी का माहौल बना मुझे भी अच्छा महसूस हो रहा है।

ट्रेनिंग के बाद मुझे RTO से चारपहिया वाहन का लाइसेंस भी मिला है जिससे में अब स्कूटी भी चला सकती है।